हरिभूमि

जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, शनिवार, 10 अक्टूबर 2026

पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा

तापमान

अधिकतम 26.2 डिग्री

न्यूनतम 19.2 डिग्री

4

युकां का प्रदर्शन, ज्ञानेश का पुतला फूंका, इस्तीफे की मांग



खबर संक्षेप

सरगुजा के महाविद्यालयों में चलेगा मतदाता जागरूकता अभियान

अम्बिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सरगुजा जिले के महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय सरगुजा द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में तिथिवार जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर नव-प्रवेशित एवं युवा विद्यार्थियों को मतदान के महत्व से अवगत कराया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए 5 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के महाविद्यालयों में विशेष शिविर आयोजित कर पात्र युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। ऑनलाइन माध्यम से आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। प्राप्त फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 को विधानसभा क्षेत्रवार संबंधित स्वीप कार्यालय में जमा कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 11 को, बनाए गए 13 परीक्षा केंद्र

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन 11 अक्टूबर को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित होगी। सरगुजा जिले में परीक्षा के लिए अम्बिकापुर में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं तथा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है।

अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण पदक

इचकेला छात्रावास की बेटियों ने क्रिकेट में रचा इतिहास

जशपुरनगर। जशपुर जिले की बेटियों ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण के दम पर क्रिकेट के मैदान में शानदार सफलता हासिल की है। शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास इचकेला में रहकर अध्ययन करने वाली बालिका क्रिकेट खिलाड़ियों की शानदार प्रदर्शन के बदौलत राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंडर-17 और अंडर-19 दोनों आयु वर्गों में सरगुजा जोन की टीम ने प्रदेश के अन्य जोनों को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया है। दोनों वर्गों में इस दोहरी सफलता से इचकेला छात्रावास की प्रतिभाशाली बेटियों ने अपनी खेल क्षमता का लोहा मनवाया है। उनकी इस उपलब्धि पर कलेक्टर रोहित व्यास सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं।



वर्षों के अभ्यास और मेहनत का मिला परिणाम

छात्रावास अधीक्षिका पंडरी बाई और शंकर ने बताया कि बालिकाएं पिछले पांच-छह वर्षों से लगातार अभ्यास कर रही हैं। नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और कठिन परिश्रम के साथ खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा को निखारा है। लगातार दो वर्षों से स्वर्ण पदक जीतना उनके समर्पण और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जनरल मैनेजर श्री अनिल श्रीवास्तव, सुगंती कुजूर, रीना मैडम तथा प्रशिक्षकों के सहयोग और मार्गदर्शन ने भी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। छात्रावास में रहकर पढ़ाई के साथ खेल की तैयारी करने वाली बेटियों की सफलता क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

अंडर-17 में लगातार दूसरे वर्ष स्वर्णिम सफलता

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 7 अक्टूबर 2026 तक सारंगढ़ में किया गया। अंडर-17 बालिका क्रिकेट वर्ग में सरगुजा जोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रायपुर, दुर्ग और बस्तर जोन को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में बिलासपुर जोन को हराकर टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस विजेता टीम में इचकेला छात्रावास की 10 बालिका खिलाड़ी शामिल थीं। टीम की कप्तान कुमारी गायत्री बाई के साथ एंजेल लकड़ा, आस्था रानी, आकृति यादव, अमीषा लकड़ा, साक्षी यादव, सुप्रिया मिंज, अनन्या सिदार, अलका रानी कुजूर और आराधना ने अपने खेल कौशल से टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफलता की खास बात यह है कि सरगुजा जोन की अंडर-17 बालिका क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष कांकेर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। इस वर्ष फिर गोल्ड मेडल हासिल कर टीम ने लगातार दूसरे साल अपनी श्रेष्ठता साबित की है।

अंडर-19 में भी सरगुजा जोन का दबदबा

अंडर-19 बालिका क्रिकेट वर्ग में भी सरगुजा जोन की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। 24 सितंबर 2026 से राजनांदगांव में आयोजित प्रतियोगिता में टीम ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर जोन को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इस टीम में भी इचकेला छात्रावास की 10 खिलाड़ी शामिल रहीं। इनमें वर्षा बाई, संतोषी बाई, जिज्ञासा कुजूर, तुलसिका भगत, पूर्वांशी साहू, रितु भगत, अवीना बाई, झूमर तिर्की, आर्यनसी बेक और अंशिका राज आर्यन शामिल हैं। इनमें से आठ खिलाड़ी लूथरन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इचकेला में अध्ययनरत हैं। आर्यनसी बेक शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, इचकेला की छात्रा हैं, जबकि अंशिका राज आर्यन अंबिकापुर से हैं। दोनों आयु वर्गों की टीमों की सफलता में प्रशिक्षकों की अहम भूमिका रही। अंडर-17 टीम को कोच श्री संतोष कुमार ने प्रशिक्षण दिया, जबकि अंडर-19 टीम ने कोच श्रीमती प्रांशु प्रिया धनसो और संतोष कुमार के मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन किया।

जिला प्रशासन के सहयोग से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन

छात्रावास अधीक्षिका पंडरी बाई ने बताया कि कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन में जिला प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों की आवश्यकताओं और खेल सामग्री की उपलब्धता के लिए किए जा रहे प्रयासों से उन्हें प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने इस सहयोग के लिए कलेक्टर श्री रोहित व्यास, डिप्टी कलेक्टर हरिओम द्विवेदी और सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग संजय कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर रोहित व्यास ने बालिका खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग संजय कुमार सिंह ने इचकेला छात्रावास पहुंचकर स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इचकेला छात्रावास की इन बेटियों ने अपनी उपलब्धि से साबित कर दिया है कि निरंतर अभ्यास, उचित मार्गदर्शन और मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर सफलता की नई ऊंचाई हासिल की जा सकती है।



तुबा जंगल में 6 पेड़ों की अवैध कटाई, बीट गार्ड को नोटिस

जशपुरनगर। तुबा जंगल में मवेशी चराने के बहाने वन संपदा के अवैध दोहन और पेड़ों की कटाई के मामले में वन विभाग ने कार्रवाई की है। वन परिक्षेत्र अधिकारी, तपकरा द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया, जिसमें मौके पर 6 नग पेड़ों के ठूंठ पाए गए। पूछताछ के आधार पर अवैध कटाई में संलिप्त व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध पीओआर प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। विभाग के अनुसार उक्त घटना कंडईबहार परिसर की है, जो फरसाबहार सर्किल के अंतर्गत आता है। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि, भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परिक्षेत्र सहायक और परिसर रक्षक को कड़ी निगरानी और नियमित गश्त के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित कर्मचारियों को स्पष्टीकरण नोटिस भी जारी किया गया है। इसके अलावा वन प्रबंधन समिति की बैठक कर ग्रामीणों को वन संरक्षण और अवैध कटाई रोकने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।



नवरात्रि, दशहरा के मद्देनजर शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव

जशपुरनगर। आने वाले नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दौरान मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन एवं रावण दहन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की बड़ी संख्या में आवाजाही को देखते हुए जशपुर पुलिस द्वारा शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बसों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है।

बसों का संचालन परिवर्तित मार्ग पर- पर्व के दौरान शहर में यातायात का दबाव कम करने, आवागमन को सुचारु बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए जिले के कप्तान डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, डॉ लाल उमेद सिंह के द्वारा जारी आदेश के अनुसार 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक बसों का संचालन निम्नानुसार परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा।



खबर संक्षेप



शिव भजन सिंह मराबी ने हाथियों के आतंक के खिलाफ खोला मोर्चा, सौंपा ज्ञापन

पोड़ीमोड़। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में हाथियों के आतंक से किसानों के फसलें बर्बाद होने को लेकर क्षेत्र के कांग्रेस नेता शिव भजन सिंह मराबी ने ग्रामीणों के साथ मिलकर वन विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन वन परिक्षेत्र अधिकारी घुई को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि उत्पाती हाथियों को तत्काल तमोर पिंगला हाथी पुनर्वास केंद्र रमकोला में रखा जाए, हाथियों द्वारा फसल नुकसान का मुआवजा बढ़ाकर 60 हजार रुपए प्रति एकड़ किया जाए, हाथी हमले से जनहानि होने पर पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा एवं एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, मुआवजा राशि 15 दिवस के भीतर हितग्राही के खाते में जमा की जाए तथा पूर्व में लंबित सभी फसल क्षति मुआवजा राशि का तत्काल भुगतान किया जाए। इस दौरान श्री मराबी ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगें पूरी नहीं की गईं तो समस्त क्षेत्रवासी 11 नंबर बनारस रोड पर चक्का जाम एवं अनिश्चितकालीन हड़ताल करने को बाध्य होंगे। इस दौरान दिनेश गुप्ता, संजय यादव, अनिल गुप्ता, खड़क बहादुर सिंह, नंदकेश्वर यादव, सचिन कुमार, मोती यादव, शिव शंकर यादव, फुलसाय, कैलाश, बालमुकुंद सिंह, राम सुंदर यादव, हेम कल्याण सिंह, हेमराज सिंह, सूरेश अयाम, शिवकुमार यादव राम लखन बैगा, रूद्र प्रसाद यादव, बृज बिहारी जायसवाल जय सिंह बंधूराम सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

भैयाथान में कांग्रेसियों ने किया लोकतंत्र बचाओ प्रदर्शन



भैयाथान।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आज भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिवस के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान द्वारा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान के अध्यक्ष विद्यात्री सिंह देव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। सांसदों पर हुई कार्रवाई के विरोध में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों की आवाज का सम्मान होना चाहिए तथा निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का स्पष्ट एवं निष्पक्ष जवाब दिया जाना चाहिए। इस दौरान अखिलेश प्रताप सिंह, सातनु सिंह, पार्थ सिंह, राहुल सिंह, शनि सिंह, अजय यादव, दिलीप जायसवाल, विद्यात्री सिंह देव, राधा देवागन, मंजू यादव, निर्मला ठाकुर, इंद्रावती रजवाड़े, प्रभाकर सिंह, अतुल पाटिल, ओमप्रकाश कुशवाहा, अभिषेक कुशवाहा, अनुराग ठाकुर, प्रांजल टाडे, विकास यादव, आदित्य सोनी, आयुष सिंह, हिमेश, अभय जायसवाल एवं आर्यन सारथी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने मनाया लोकतंत्र के लिए काला दिवस, सौंपा ज्ञापन

राजपुर। एआईसीसी के आह्वान पर 8 अक्टूबर को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजपुर द्वारा लोकतंत्र के लिए काला दिवस' मनाया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार प्रतीक जायसवाल के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने, चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता बनाए रखने तथा विपक्षी सांसदों के साथ कथित दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित इंडिया गठबंधन के सांसद निर्वाचन आयोग से जवाबदेही की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान उन्हें रोके जाने और बलपूर्वक व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया गया।कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि विपक्ष के नेताओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का लोकतांत्रिक अधिकार है। इस दौरान जिला महामंत्री दोमनिक एक्का, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष लालसाय मिंज, मनोज अग्रवाल, सुनील भगत, विद्यानंद दुबे, राहुल गुप्ता, कौशल चौबे, तेजप्रताप सिंह, विकास यादव, मुन्ना गुप्ता, बाबा भारती, प्रयाग यादव, तुलेश्वर यादव, रामनाथ रवि, पार्षद विश्वास गुप्ता सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध शराब कारोबार में आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

बलरामपुर। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वृत्त वाड्रफनगर क्षेत्र में दो अलग-अलग प्रकरण कायम किए हैं। पहले प्रकरण में तुगवा निवासी 35 वर्षीय समय लाल आ. दुखी के कब्जे से 13 नग पाव गोवा शराब जब्त की गई। इसकी बाजार कीमत करीब 1560 रुपये बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(1)(क), 36 के तहत प्रकरण कायम किया गया। दूसरे प्रकरण में तुगवा निवासी 52 वर्षीया लीलावती पति जवाहिर के कब्जे से 24 लीटर महुआ शराब तथा 90 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। जब्त सामग्री की बाजार कीमत करीब 24 सौ रूपए आंकी गई है। मामले में धारा 34(1)(क), 34(1)(च), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कार्रवाई आबकारी उनि अभिषेक राजवाड़े के विवेचन में की गई। टीम में आबकारी उपनिरीक्षक चन्द्रदीप भगत, धर्मजीत राम शर्मा, आबकारी मुख्य आरक्षक खागेश्वर साय, आबकारी आरक्षक सचिन यादव, महिला नगर सैनिक हेमंती तिर्की एवं कलिस्ता एक्का तथा वाहन चालक दिनेश यादव शामिल रहे।

जंगल में जीआई तार से करंट प्रवाहित कर करते हैं शिकार

बलरामपुर सहित आसपास के गांव के जंगलों में किया जा रहा वन्य जीवों का शिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

जिला मुख्यालय एवं उसके आसपास के क्षेत्र में वन विभाग के लापरवाही के कारण आए दिन वन्यजीव का शिकार किया जा रहा है बावजूद इसके अवैध शिकार पर रोकथाम के लिए विभाग की तरफ से कोई उचित पहल नहीं की जा रही जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है।

खास बात
- वन विभाग के कार्य प्रणाली पर उठ रहे सवाल

बलरामपुर क्षेत्र के डूमरखी, दलधोआ, सेमरसोत, कंडा, सिंदूर, सोनहरा सहित आसपास के जंगलों में इन दिनों तेजी से वन्यजीव का शिकार किया जा रहा है लेकिन इन शिकारियों को पकड़ने के लिए वन विभाग के सिपाही रेजर से लेकर के आल्हा अफसर तक मौन हैं।संबंधित बीट क्षेत्र के सिपाही अफसर वन्य जीव की सुरक्षा के लिए वन क्षेत्र में भ्रमण के बजाय कार्यालय में बैठे-बैठे से कुर्सी तोड़ रहे हैं।मुख्यालय क्षेत्र के जंगलों में पूर्व में कई जंगली जानवरों के शिकार करने का मामला प्रकाश में आ चुका है और हाथी, हिरण, जंगली सूअर, बारासिंघा सहित कई वन्य जीव का शिकार करने के मामले में कई बार आरोपी गिरफ्तार भी जा चुके हैं। ऐसे मामले तभी उजागर होते हैं जब किसी द्वारा वन विभाग को सूचना दिया जाता है लेकिन वन विभाग द्वारा स्वयं के टीम द्वारा शिकारी को पकड़ने में आज तक विभाग में नाकाम रही है। लगभग 1 वर्ष पूर्व जिला मुख्यालय से मात्र 2 किलोमीटर दूर डुमरखी जंगल में जंगली जानवरों के शिकार करने के लिए 35 केवी तार से जीआई तार के माध्यम से करंट प्रभावित किया गया था ताकि जंगली जानवर इसमें फस सके लेकिन उस करंट में जंगली जानवर के बजाय देर रात एक युवक और युवती तंरगित तार में फंस गया जिससे दोनों की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि इस घटना को भूल गए लेकिन समय रहते विभाग के कर्मचारी जंगलों की छान मारते तो शायद उन दोनों युवक युवती की जान बन सकती थी। लगभग 15 दिवस पहले ठीक उसी जगह शिकारी द्वारा जीआई तार के माध्यम से 33 केवी गुजरे लाइन से करंट प्रवाहित करके वन्य जीव के शिकार करने के लिए तार का जाल फैलाया गया था। गनीमत था कि बारिश होने से विद्युत लाइन में कहीं फाल्ट हो जाने की वजह से जिले में लंबी अवधि से लाइट प्रभावित हो गया। विद्युत विभाग की टीम ने बार-बार लाइट एवं काटने की जांच की तो कर्मचारियों ने पाया कि लाइट में जंगली क्षेत्र से कहीं फाल्ट है। विद्युत विभाग के कर्मचारी जंगली की ओर चले तो मुख्यालय से लगभग के जंगल किनारे पहुंचे तो वहां 33 केवी लाइन से वन्यजीव का शिकार करने के लिए तार के माध्यम से करंट प्रवाहित किया गया था और तार का लंबा जाल फैलाया गया था विभाग द्वारा देरी किए बगैर तुरंत तार को अपने कब्जे में लिया और विद्युत लाइन की फाल्ट को सुधार किया। समय रहते विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा तार के जाल को हटा दिया नहीं तो फिर से बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज भी जंगल में वन्य जीवों का शिकार धड़ल्ले से किया जा रहा है।



जंगल से जब्त जीआई तार।

दूसरे विभाग करती है कार्रवाई

जंगल की सुरक्षा वन विभाग की है। विभाग पर पेड़ों की अवैध कटाई से लेकर वन्य जीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। विभाग जंगल में अवैध कटाई तथा जंगल में वन्य जीवों अवैध शिकार पर अंकुश लगाने निगरानी रखना जरूरी है। हैरानी की बात तो यह है कि जो काम वन विभाग की टीम को करना चाहिए वह काम दूसरे विभाग द्वारा की जाती है। लोगों का कहना है कि कुछ दिन पूर्व ही जंगल में बिछाए गए तरंगित तार को वन विभाग के बजाए दूसरे विभाग की टीम ने पहुंच कर कार्रवाई की जबकि वन विभाग को इसकी भनक तक नहीं थी। इतना ही नहीं वन विभाग में इतनी लापरवाही है कि वन्य जीव का तो छोड़िए पक्षियों के शिकार करने वाले लोगों को पकड़ने में असफल रही है। इतना ही नहीं विभाग को कोई सूचना देता भी है तो जल्दी कार्रवाई के लिए यह जंगल कि ओर जाते भी नहीं है और फोन तक उठाना मुनासिब नही समझते।

विभाग पर गिर चुकी है गाज

हाथियों एवं वन्य जीवों का शिकार करने के मामले में जिले में वन मंडल अधिकारी तक के ऊपर गाज गिर चुकी है लेकिन इसके लिए मंडल अधिकारी से ज्यादा बीट के सिपाही बीट के दरोगा और रेंजर जिम्मेदार रहते हैं। लेकिन उनके ऊपर गाज नहीं गिरती है। कुछ वर्ष पहले तत्कालीन अनुमंडल अधिकारी प्रणय मिश्रा के ऊपर इस तरह की कार्रवाई की जा चुकी है इसके बाद भी जिले की आला अधिकारी शिकारियो के शिकार करने पर रोक लगाने में नाकाम है।

विभाग की टीम क्षेत्र में करती है दौरा

वन विभाग के टीम हमेशा क्षेत्र का दौरा करती है। शिकारी पकड़ में नहीं आए तो अलग बात है। ऐसे शिकारी के ऊपर समय-समय पर धर पकड़ और विभाग के तरफ से कार्रवाई भी होती है। करंट लगाकर पशुओं का शिकार करने के मामले में जब्ती का करवाई विद्युत विभाग से ही होती है। ऐसे मामलों में दोनों विभाग के सहभागिता से ही काम होता है।

-निखिल सक्सेना
वन परिक्षेत्र अधिकारी बलरामपुर



महाविद्यालय की समस्याओं को लेकर अभाविप ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पोड़ीमोड़

शासकीय कालिदास महाविद्यालय प्रतापपुर में विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। अभाविप ने महाविद्यालय को चार प्रमुख समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग।

अभाविप ने महाविद्यालय में लगातार बढ़ रही फीस का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यहां अधिकांश विद्यार्थी जनजातीय क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में लगातार फीस वृद्धि विद्यार्थीयों के लिए आर्थिक परेशानी का कारण बन रही है। फीस वृद्धि पर रोक लगाने की मांग की। साथ ही महाविद्यालय के वाशरूम की खराब व्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जताई। वाशरूम के दरवाजे टूटे हुए हैं और नियमित साफ-सफाई नहीं होने के कारण गंदगी बनी रहती है। अभाविप ने तत्काल मरम्मत एवं नियमित सफाई की व्यवस्था की मांग की साथ ही फीस काउंटर पर विद्यार्थियों से कथित अभद्र व्यवहार का मामला भी ज्ञापन में उठाया गया। वहीं नामांकन की हार्ड कॉपी जमा करते समय विद्यार्थीयों से 200 रुपये जनभागीदारी शुल्क लिए जाने पर भी सवाल उठाया गया। अभाविप का कहना है कि यह शुल्क प्रवेश के समय पहले ही लिया जा चुका है, इसलिए दोबारा लिया गया शुल्क वापस किया जाए।

अभाविप ने पांच दिनों में मांगें पूरी नहीं होने पर महाविद्यालय घेराव तथा आंदोलन की चेतावनी दी है। इस दौरान नगर मंत्री बरत लाल आयम, नरेन्द्र सिंह, राज यादव, अनु पैकरा, प्रमोद सिंह, राकेश कुमार, पवन पैकरा, देवेश कुमार, उमेश कुमार, मुरारी लाल, श्याम यादव, सत्या, अनुराधा, कांति, मुनिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

शासकीय अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर, 21 यूनिट रक्त संग्रह

बिश्रामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर में 21 लोगों ने रक्तदान किया,शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अमित भगत सहित स्वास्थ्य अमले ने सक्रिय रहकर शिविर को सफल बनाया,शिविर में दसवीं बटालियन के जवानों,सहित बिश्रामपुर शासकीय महाविद्यालय के छात्र एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भी रक्तदान कर शिविर में सहभागिता दी,रक्तदान शिविर में जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों की टीम सक्रिय रही।



शिवनंदनपुर नपं में आय-व्यय का ब्यौरा नहीं मिलने से उपाध्यक्ष नाराज, धरने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर में आय-व्यय को लेकर प्रतिनिधियों के बीच खींचातानी बढ़ गई है,नगर पंचायत के उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र सौंपकर नगर पंचायत के गठन से लेकर 31 अगस्त 2026 तक की वित्तीय गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा मांगा है जिसे अब तक प्रदान नहीं किया जा सका है,उन्होंने शासन से प्राप्त राशि, करों से हुई आय और विभिन्न मदों में किए गए व्यय सहित वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है।

- उपाध्यक्ष ने नपं गठन से 31 अगस्त तक की 8 बिंदुओं पर वित्तीय गतिविधियों का मांगा है विस्तृत ब्योरा
- भाजपा व कांग्रेस प्रतिनिधियों में बढ़ी खिंचातानी

उपाध्यक्ष द्वारा सीएमओ को दिए गए पत्र में 8 बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई है। इसमें राज्य एवं केंद्र शासन से विभिन्न मदों में प्राप्त स्वीकृति एवं राशि का पूरा विवरण, नगर पंचायत क्षेत्र के नागरिकों से विभिन्न करों के माध्यम से प्राप्त आय तथा किन-किन मदों में राशि खर्च की गई, इसका ब्यौरा शामिल है। इसके साथ ही किसी भी राशि को खर्च करने से पूर्व स्वीकृति के लिए अपनाई गई प्रक्रिया, नगर पंचायत द्वारा अब तक खरीदी गई सामग्री की संपूर्ण सूची, सामग्री की स्वीकृत दर, संबंधित एजेंसी का नाम, भुगतान की गई राशि तथा भुगतान की तिथि की जानकारी भी मांगी गई है। पत्र में नगर पंचायत क्षेत्र में अब तक कराए गए निर्माण एवं विकास कार्यों पर हुए व्यय का मदवार विवरण उपलब्ध कराने के साथ ही दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराए गए विज्ञापनों पर खर्च की गई राशि की जानकारी भी मांगी गई है। उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने पुनः स्मरण पत्र के माध्यम से सभी बिंदुओं की जानकारी अविलंब उपलब्ध कराने की मांग की है।जानकारी उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में नपँ परिसर में धरने पर बैठने की चेतावनी मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दी गई है, गौरतलब है कि नगर पंचायत के गठन के बाद पहली बार वित्तीय गतिविधियों और विभिन्न मदों में हुए खर्च का इस तरह विस्तृत हिसाब मांगे जाने से नगर पंचायत की सियासत गरमाने लगी है। हालांकि उपाध्यक्ष की ओर से जानकारी मांगने को वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही से जोड़कर देखा जा रहा है, वहीं नगर पंचायत के भीतर इसे आपसी खींचतान के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है।

आपसी तालमेल में आई कमी

गौरतलब है कि शिवनंदनपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा है, जबकि उपाध्यक्ष पद कांग्रेस के पास है। 15 वार्डों वाली नगर पंचायत में आठ पार्षद कांग्रेस और सात पार्षद भाजपा के निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में उपाध्यक्ष द्वारा वित्तीय गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा मांगे जाने के बाद नगर पंचायत की राजनीतिक खींचतान खुलकर सामने आने की चर्चा शुरू हो गई है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और शतरंज प्रतियोगिता ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

भगवान अग्रसेन की 5150वीं जयंती से पहले शहर के अग्रवाल समाज में उत्सव का माहौल है। अग्रवाल सभा की ओर से आयोजित सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रमों की श्रृंखला में समाज के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसी कड़ी में पुरुषों और बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता जूनियर और सीनियर, दो वर्गों में हुई।

- मंच पर संस्कृति की छटा, शतरंज की बिसात पर दिमागी चालें

मंच पर प्रतिभागियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों में मनोरंजन के साथ समाज की एकता और आपसी मेल-जोल का संदेश भी दिखाई दिया। महोत्सव के दौरान शतरंज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने सोच-समझकर चाल चली और अपनी रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया। इसके अलावा ओम श्री अग्रदेवाय नमः लेखन प्रतियोगिता और कुर्सी दौड़ का आयोजन हुआ। महिलाओं और बालिकाओं के लिए भी मनोरंजक प्रतियोगिताएं रखी गईं, जिनमें उन्होंने उत्साह से भाग लिया। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल ने आयोजन का संचालन किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि जयंती महोत्सव की प्रतियोगिताएं समाज के सभी आयु वर्गों को एक मंच पर लाने का अवसर हैं। ऐसे आयोजनों से बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है, वहीं समाज के सदस्यों के बीच आपसी जुड़ाव भी मजबूत होता है। अग्रसेन जयंती से पहले आयोजित हो रही प्रतियोगिताओं में लगातार मिल रही भागीदारी से समाज में उत्सव का उल्लास बना हुआ है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा मंच और शतरंज की बिसात पर चलती चालें आयोजन के खास आकर्षण रहे। आयोजनों को सफल बनाने में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल, उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल और शुभम अग्रवाल, सचिव संजय अग्रवाल, घनश्याम गर्ग, पवन अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनोज जैन, विनोद अग्रवाल, कैलाश गोयल, जनम अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, विजय बंसल, सचिन अग्रवाल, सुशील गोयल, चिराग गर्ग, अश्वनी लाल गर्ग, आयुष अग्रवाल और आशीष अग्रवाल सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे। महिला सभा की अध्यक्ष मधु अग्रवाल, उपाध्यक्ष मधु गर्ग, सचिव ममता गर्ग, अंजू पोद्दार, मंजू अग्रवाल, प्रेमलता गोयल, नीलिमा अग्रवाल, सरिता सुल्तानिया और कविता अग्रवाल सहित अन्य महिलाओं ने आयोजन में भूमिका निभाई।



शासकीय कन्या परिसर में जीवन ज्योति द्वारा सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अम्बिकापुर। जीवन ज्योति हॉस्पिटल द्वारा आज शासकीय कन्या परिसर में महिलाओं में बढ़ती सर्वाइकल कैंसर की समस्या से बचाव एवं इसके लक्षणों के संबंध में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं परिसर के स्टाफ को सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच, बचाव और उचित उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम से लगभग 300 छात्राएं एवं



50 शिक्षक/शिक्षिकाएं लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के दौरान सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख लक्षणों, कारणों एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर की समय पर पहचान होने पर इसका प्रभावी उपचार संभव है। इसके लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यक स्क्रीनिंग जांच कराना महत्वपूर्ण है। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, सुरक्षित स्वास्थ्य व्यवहार अपनाने और चिकित्सक की सलाह के अनुसार एचपीवी टीकाकरण कराने के लिए भी प्रेरित किया गया।

बलरामपुर में निकली भव्य सेवा ज्योति यात्रा, नागरिक हुए शामिल



हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिला मुख्यालय में भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। यात्रा हाई स्कूल मैदान से प्रारंभ होकर भाजपा जिला कार्यालय तक पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में नागरिकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। यात्रा के पश्चात भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाइव संबोधन किया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं सामरी विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल सहित भाजपा के जिला एवं मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव संबोधन ने कार्यक्रम को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को सुना तथा सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही। इस दौरान जिला प्रभारी ओमप्रकाश सिन्हा, उपाध्यक्ष अजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा मुनि निकुंज,महामंत्री भानूप्रकाश दीक्षित, सेवा ज्योति यात्रा प्रभारी अजय गुप्ता, अजय यादव, मंगलम पांडेय, सुषमा मिंज, महेंद्र गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।



सेवा संकल्प अभियान के तहत निकली सेवा ज्योति यात्रा, शासन की योजनाओं का दिया संदेश

लखनपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को नगर पंचायत में सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया। यात्रा के माध्यम से लोगों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। सेवा ज्योति यात्रा वार्ड क्रमांक 1 झिनपुरी पारा स्थित प्राथमिक शाला से प्रारंभ होकर बाजार पारा होते हुए वार्ड क्रमांक 2 झिनपुरी पारा में पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता दीदियों एवं नगर पंचायत के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान विभिन्न योजनाओं से संबंधित संदेशों का प्रचार-प्रसार किया गया तथा नागरिकों को शासन की विकासोन्मुखी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू, उर्मिला खलखो, दिनेश साहू, अमित बारी, प्रदीप गुप्ता, छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी, एपीएम बालकृष्ण तिवारी, समस्त स्वच्छता दीदियां, सफाई कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।



सेवा संकल्प अभियान के तहत कुसमी मंडी परिसर में हुआ रंगोली का भव्य कार्यक्रम

कुसमी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय विभाग एवं भाजपा संगठन द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कुसमी मंडी परिसर में आज महाविद्यालय द्वारा रंगोली कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत स्व. महली भगत शासकीय स्नातक महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाचन को सभी उपस्थित मंचासिन अतिथियों के साथ साथ महाविद्यालय के छात्र छात्राए एवं अन्य विद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ प्राध्यापक सहित शिक्षकों ने सुना। भारत को आत्म निर्भर एवं विकसित भारत 2047 तक बनाने का संकल्प लिया गया। रंगोली कार्यक्रम में विकसित भारत का मनमोहक चित्र बनाकर नमो भारत के साथ चित्र कला का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल द्वारा रंगोली कार्यक्रम की सराहना की। इस दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल, जन्मजय सिंह, संजय जायसवाल , राकेश भारती, प्रदीप गुप्ता, बालेश्वर नायक, राजेश्वर गुप्ता, शोभनाथ भगत, अंजू सिन्हा,अनिल सिन्हा,मो. शमीम, पारस पाल, मंडी सचिव केके ठाकुर, ममता पैकरा, प्रभा, प्राचार्य पीपी सिंह, अशोक सिंह पैकरा महाविद्यालय एवं अन्य विद्यालय के प्राध्यापक शिक्षक सहित काफी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।



सूरजपुर में निकली भव्य सेवा ज्योति यात्रा, जनसेवा का लिया संकल्प

सूरजपुर। नगर में सेवा ज्योति यात्रा का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं तथा नगर के नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक व गुजरात प्रदेश सह प्रभारी गोमती साय, भाजपा जिला प्रभारी शिवनाथ यादव, विधायक भूलन सिंह मरावी, शकुंतला पोर्ते, भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल, अजय गोयल, रामकृपाल साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि पैकरा, शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह मुकेश गर्ग, संदीप अग्रवाल, दीपक गुप्ता, रितेश गुप्ता सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री के उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने सेवा संकल्प की शपथ ली। सभी ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा की भावना पहुंचाने, जरूरतमंदों की सहायता करने तथा राष्ट्रहित और समाजहित में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

परिंदा जो क्रांतिवीर बना, पद्मश्री समेत मिले कई अवॉर्ड

नाना की वो फिल्में, जिन्हें आज भी लोग करते हैं याद



मुंबई। कई दशकों तक भारतीय सिनेमा पर राज करने वाले दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपने फैंस को अलविदा कह गए। अभिनेता ने मुंबई में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने साल 1978 में फिल्म 'गमन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद इन्होंने 'आज की आवाज', 'परिंदा' और 'एंगर' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्हें शुरुआत में सबसे ज्यादा पहचान फिल्म 'अग्नि साक्षी' से मिली। नाना पाटेकर उन चुनिंदा अभिनेताओं में रहे जिन्हें अभिनय के लिए तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। इसमें परिंदा के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता, क्रांतिवीर के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अग्निसाक्षी के लिए सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता। साल 2013 में उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

मराठी फिल्मों में भी किया काम

लगभग पांच दशक लंबे अपने करियर में नाना पाटेकर ने कई तरह के रोल किए। वह सबसे कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर मशहूर थे। उन्होंने फिल्मों में खलनायक, विद्रोही, कॉमेडी और गंभीर भूमिकाएं निभाई हैं। बॉलीवुड के अलावा उन्होंने मराठी, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। मराठी में उनकी मशहूर फिल्में 'सिन्हासन', 'पक पक पकाक' और 'नटसम्राट' शामिल हैं।

परिंदा- 1989

नाना पाटेकर फिल्म 'परिंदा' उनकी सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है। इसमें उन्होंने अन्ना नाम के एक खतरनाक और सनकील्ड डॉन का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उन्हें बेहतरीन अदाकारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

तिरंगा- 1993

अभिनेता ने इसमें इंस्पेक्टर शिवाजीराव वाघले का किरदार निभाया था। यह किरदार बेहद दमदार और कड़क पुलिस अधिकारी का था। इसमें राज कुमार और ममता कुलकर्णी भी थे।

क्रांतिवीर- 1994

नाना पाटेकर को 'क्रांतिवीर' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए सर्वेश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। इसमें उन्होंने प्रताप नारायण तिलक का किरदार निभाया है। वह समाज में फैली भ्रष्ट व्यवस्था, सांप्रदायिक नफरत और राजनीतिक ताकतों के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

अग्नि साक्षी- 1996

इस फिल्म में अभिनेता ने विश्वनाथ का किदार

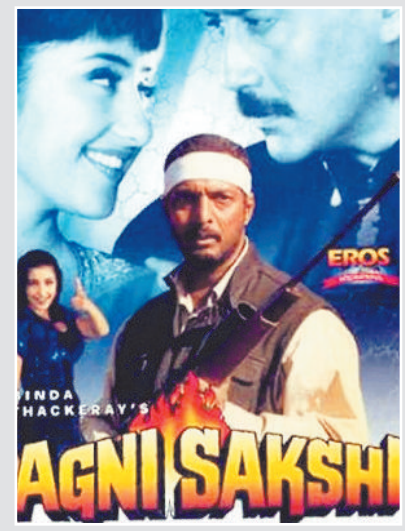

निभाया था। इसमें उन्होंने एक सनकी और हिंसक पति की भूमिका निभाई थी। इसमें मनीषा कोइराल और जैकी श्रॉफ थे। फिल्म में शानदार अभिनय करने के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

अब तक छप्पन- 2004

इस फिल्म में अभिनेता ने मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्क्वाड के अनुभवी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट इंस्पेक्टर साधु आगाशे का किरदार निभाया था। यह किरदार मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक से प्रेरित था।

अपहरण- 2005

नाना पाटेकर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में 'अपहरण' भी शामिल है। इसमें उन्होंने तबेज आलम का किरदार निभाया था। बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में अभिनेता ने एक शक्तिशाली और भ्रष्ट नेता के रूप में नजर आए थे।

वेलकम- 2007

कॉमेडी फिल्म 'वेलकम' में नाना पाटेकर ने उदय शंकर शेट्टी का किरदार निभाया था। इसमें वह एक खूंखार लेकिन मजाकिया अंडरवर्ल्ड डॉन बने थे। इसमें अक्षय कुमार, कट्रीना कैफ और परेश रावल भी थे।

राजनीति- 2010

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म 'राजनीति' में नाना पाटेकर ने बृज गोपाल का किरदार निभाया था। वह मुख्य राजनीतिक परिवार के मार्गदर्शक और सलाहकार की भूमिका में थे। इसमें कटरीना कैफ, रणबीर कपूर और अर्जुन रामपाल भी थे।

नटसम्राट- 2016

मराठी फिल्म 'नटसम्राट' में नाना पाटेकर ने गणपतराव 'अप्पा' बेलवलकर का किरदार निभाया था। इसमें उन्होंने एक ऐसे शख्स का किरदार निभाया था जो कभी मशहूर नायक था। मगर बुढ़ापे में उन्हें परिवार की उपेक्षा और अकेलेपन का सामना करना पड़ता है।

वनवास- 2024

इस फिल्म में नाना पाटेकर ने दीपक त्यागी (प्रताप सिंघाना) नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति का किरदार निभाया था। यह किरदार भूलने की बीमारी से ग्रस्त होता है।

नाना की आखिरी फिल्म : नाना पाटकर की आखिरी फिल्म 'ओ रोमियो' थी। अभिनेता ने इसमें डीएसपी इस्माइल खान का किरदार निभाया था। उनका यह किरदार सख्त और तेजतर्रार पुलिस/इंटेलिजेंस अधिकारी का था। इसमें शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल थीं। 150 करोड़ की लागत से बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 123.10 करोड़ रुपए कमा सकी थी।

हीरो बनने के चक्कर में एक्टर मत खोना

शाहरुख खान ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर भावुक श्रद्धांजलि दी है। नाना के साथ अपनी पुरानी तस्वीर साझा करते हुए शाहरुख ने उनके साथ पहली मुलाकात से लेकर उनकी दोस्ती, सीख और साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि नाना अक्सर उन्हें अभिनय को लेकर समझाते थे। उनकी सबसे यादगार बातों में से एक थी, 'हीरो बनने के चक्कर में एक्टर मत खोना।' यही लाइन शाहरुख ने अपनी श्रद्धांजलि के अंत में भी दोहराई।



मैं भगवान को मार देना चाहता हूं

नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आने के बाद राम गोपाल वर्मा ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि हर कोई जानता है कि कोई भी इंसान अमर नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि नाना जैसे मजबूत शख्स इतनी अचानक इस दुनिया से चले गए। राम गोपाल वर्मा ने अपने पोस्ट में नाना की मौत को लेकर अपनी नाराजगी और बेबसी भी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि उन्हें नाना के दिल के फेल होने से नफरत है और ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह उस भगवान को मार देना चाहते हैं, जिसने अभिनय के भगवान नाना पाटेकर को उनसे छीन लिया।



बहुत याद आएंगे

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी नाना पाटेकर को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संदेश में केवल नाना के कलाकार के रूप में योगदान और उनकी प्रतिभा को याद किया। उन्होंने लिखा कि एक महान अभिनेता, शानदार व्यक्तित्व और अभिनय कला के सच्चे दिग्गज के निधन से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों में नाना का योगदान और अभिनय के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा।



वह एक बेहतरीन अभिनेता थे

रितेश देशमुख ने लिखा, 'मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मैं कितना सदमे में हूं। ऐसा लग रहा है जैसे किसी ट्रक ने मुझे टक्कर मार दी हो। नाना पाटेकर जी के निधन की खबर सुनकर मैं बेहद दुखी हूं। वह एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। अपनी अलग शैली और अभिनय के खास अंदाज से उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनाई। ऐसा कोई किरदार नहीं था, जिसे वह निभा न सकें। उन्होंने हर तरह के किरदार में खुद को साबित किया- चाहे वह एक बड़े पर्दे के हीरो का किरदार हो, डरावने विलेन का या फिर अपने शांत अंदाज वाली कॉमेडी का। वह पर्दे के बाहर भी एक हीरो थे।



जब परदे पर गरजे नाना, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने डायलॉग बोलने का अंदाज भी लोगों को आता था काफी पसंद

नाना पाटेकर ने 'गमन' फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की और 'ओ रोमियो' तक में काम किया। अभिनेता की सिर्फ फिल्में ही नहीं, बल्कि उनके डायलॉग्स भी काफी चर्चा में रहे। 'साला ये दुख काहे खत्म नहीं होता बे'... नाना पाटेकर सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए नहीं जाने जाते थे। बल्कि, उनके बोलने का अंदाज भी लोगों को काफी पसंद आता था। यही वजह थी कि जब वह अपनी फिल्मों में किसी डायलॉग को बोलते थे, तो वह छा जाता था। अभिनेता ने कभी गुस्से में बोलकर तालियां बटोरीं, तो कभी एक साधारण-सी बात को अपने अंदाज से ऐसा बना दिया कि वह वर्षों तक याद रही। 'क्रांतिवीर' से लेकर 'वेलकम' तक उनके संवादों ने उनके किरदारों को अलग पहचान दी। खास बात यह रही कि नाना की संवाद अदायगी में अभिनय और वास्तविकता के बीच की दूरी लगभग खत्म हो जाती थी। आइए नजर डालते हैं उनके 10 ऐसे संवादों पर, जिनका असर फिल्मों के बाहर भी दिखाई दिया।

आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने

यह शायद नाना पाटेकर के कॅरियर का सबसे पहचाना जाने वाला संवाद है। 'क्रांतिवीर' के एक सीन में बोले गए इस डायलॉग में गुस्सा, चुनौती और व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह तीनों दिखाई देते हैं। नाना की आवाज और चेहरे के भाव ने इसे महज एक फिल्मी लाइन नहीं रहने दिया। आज भी यह डायलॉग उनके नाम के साथ सबसे पहले याद किया जाता है।

ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा?'

अभिनेता का दूसरा डायलॉग भी फिल्म 'क्रांतिवीर' से ही है। इसका असर सिर्फ सिनेमाई नहीं था। नाना का किरदार धर्म के नाम पर होने वाली हिंसा पर सीधा सवाल खड़ा करता है। सवाल बेहद सरल था, लेकिन उसकी ताकत इसी सादगी में थी। खून का रंग एक है तो इंसानों को धर्म के नाम पर अलग क्यों किया जाए? यह संवाद आज भी 'क्रांतिवीर' के सबसे प्रभावशाली दृश्यों में गिना जाता है।

सौ में से अस्सी बेईमान फिर भी मेरा भारत महान

यह डायलॉग व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर नाना के किरदार की नाराजगी को सामने रखता है। व्यंग्य के अंदाज में कही गई यह लाइन इतनी लोकप्रिय हुई कि लंबे समय तक भ्रष्ट व्यवस्था पर टिप्पणी करते समय इसे दोहराया जाता रहा। नाना की आवाज ने इस व्यंग्य को और धार दी।

एक मच्छर साला आदमी को हिजड़ा बना देता है

'यशवंत' का यह डायलॉग नाना की आक्रामक संवाद अदायगी का बेहतरीन उदाहरण है। लाइन के शब्द भले ही तीखे हों, लेकिन इसे लोकप्रिय बनाने में नाना की प्रस्तुति का बड़ा योगदान रहा। यह उन डायलॉग में शामिल हो गया, जिनका जिक्र नाना पाटेकर के नाम के साथ आज भी तुरंत होता है।

धंधे में कोई किसी का भाई नहीं होता

'परिंदा' में नाना ने अन्ना के किरदार में अपराध की दुनिया का निर्मम चेहरा दिखाया था। यह डायलॉग उस दुनिया के उसूल को बेहद सीधे शब्दों में सामने रखता है, जहां रिश्तों से ज्यादा मायने स्वार्थ और धंधे का होता है। इस भूमिका ने नाना को हिंदी सिनेमा के सबसे प्रभावशाली नेगेटिव किरदारों में जगह दिलाई।

टीवी मसाला



क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के स्लॉट पर आएगा अप्सरा

नई दिल्ली। स्टार प्लस के आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' के ऑफ-एयर होने की खबर सामने आते ही टीवी गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। लेकिन, अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर वो कौन सा शो है और क्या है उसका कॉन्सेप्ट, जो तुलसी और मिहिर विरानी के इस चर्चित पारिवारिक ड्रामे को रिप्लेस करने जा रहा है? 21 अक्टूबर से रात 10:30 बजे शुरू हो रहा नया सुपरनैचुरल फैंटेसी शो 'अप्सरा' टीवी के पारंपरिक दायरे को तोड़कर दर्शकों को एक ऐसी अलौकिक दुनिया में ले जाने वाला है, जिसकी कल्पना अब तक किसी शो में नहीं की गई थी। मुक्ता धोंड के प्रोडक्शन में बने इस शो की कहानी प्राचीन पौराणिक कथा 'समुद्र मंथन' के उस अनकहे हिस्से से शुरू होती है, जहां से अमृत कलश और अप्सराओं की उत्पत्ति हुई थी। शो का प्लॉट एक बेहद हैरान कर देने वाली कल्पना पर आधारित है। कलयुग के इस दौर में भी वह दिव्य अमृत कलश धरती पर ही मौजूद है, और स्वर्गलोक ने इस अमृत को बुरी ताकतों से सुरक्षित रखने का जिम्मा अप्सराओं के कुल को सौंपा हुआ है। ये अमृत अगर किसी गलत हाथ में चला गया, तो पूरी मानव सभ्यता का विनाश निश्चित है। आमतौर पर टीवी और फिल्मों में अप्सराओं को केवल सुंदरता, मोहक अदाओं और नृत्य के लिए दिखाया जाता रहा है। लेकिन शो में लीड रोल निभा रहीं समिक्षा जायसवाल (सुनहरी) इस रूढ़िवादी छवि को पूरी तरह तोड़ती नजर आएंगी। सुनहरी कोई ऐसी अप्सरा नहीं है जो किसी राजकुमार या नायक के आने का इंतजार करे, बल्कि वह खुद अपनी लड़ाई की नायक और एक निपुण योद्धा है। लेकिन, इस लड़ाई में सबसे बड़ा मोड़ और दर्द तब आता है, जब अमृत कलश पर कब्जा करने की कोशिश करने वाली कोई और नहीं, बल्कि उसकी अपनी सगी बहन धारा (अनुष्का मर्चेंडे) बन जाती है। अपनों के प्रति प्यार और अमृत की रक्षा के कर्तव्य के बीच सुनहरी का यह अंदरूनी संघर्ष कहानी को बेहद भावुक मोड़ देता है।

स्काउट-काजी में झगड़ा, कैप्टेंसी डिबेट में मचा बवाल

नई दिल्ली। कलर्स और जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहे देश के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के घर में हर गुजरते दिन के साथ रिश्तों की उलझन और कड़वाहट नए चरम पर पहुंच रही है। जिस एपिसोड का आगाज यंग डीएसए, लव गिल और आम्रपाली दुबे के बीच की हल्की-फुल्की हंसी-मजाक से हुआ था, वही दिन ढलते-ढलते एक भयंकर सियासी और आक्रामक अखाड़े में तब्दील हो गया। कैप्टेंसी की अगली दावेदारी हासिल करने के लिए मेकर्स ने घर के भीतर एक लाइव टेलीविजन न्यूजरूम खड़ा कर दिया, जहां मर्यादा की सीमाएं लांघी गईं और दो कंटेस्टेंट्स के बीच हाथापाई तक की नौबत आ गई। डिबेट की यह चिंगारी मंच से उतरकर सीधे लिविंग एरिया में धधक उठी। काजी के मुद्दे पर बात करते-करते गेमर स्काउट ओपी और काजी तौकीर के बीच जुबानी जंग इतनी बढ़ गई कि दोनों अपना आपा खो बैठे। गुस्सा इस कदर भड़का कि दोनों एक-दूसरे पर झपटने को तैयार हो गए और मामला सीधे तौर पर हाथापाई तक पहुंच गया।



बीएफआई लंदन... में दिखाई जाएगी पाकीजा

नई दिल्ली। 18 अक्टूबर होने वाले प्रतिष्ठित 'बीएफ़आई लंदन फ़िल्म फ़ेस्टिवल' में हिंदी सिनेमा की क्लासिक फ़िल्म 'पाकीज़ा' एक नए 4केरेस्टोरेशन के साथ बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। सेंट्रल लंदन के बीएफ़आई आईमैक्स में होने वाली इस ख़ास स्क्रीनिंग के सभी टिकट करीब एक महीने पहले ही पूरे बिक चुके हैं। टिकटों का 'सोल्ड आउट' होना इस बात की गवाही है कि रिलीज़ के 54 साल बाद भी 'पाकीज़ा' का जादू बरक़रार है। गुज़रा वक़्त उसकी चमक को धुंधला नहीं कर पाया। निर्देशक कमाल अमरोही की इस क्लासिक फ़िल्म का संरक्षण 'फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन' ने अमरोही परिवार के सहयोग से किया है। इस नए वर्जन का वर्ल्ड प्रीमियर फ्रांस के ल्यों में 'फेस्टिवल ल्यूमिएर' में होगा, जिसके बाद इसे 'बीएफ़आई लंदन फिल्म फ़ेस्टिवल' में दिखाया जाएगा।



बड़े पर्दे पर पहली बार बाप-बेटे की भिड़ंत

मुंबई। साउथ इंडस्ट्री से नवंबर 2026 में एक अनचाहा क्लैश देखने को मिलने वाला है। सिनेमाघरों में बाप और बेटे आपस में टकराने जा रहे हैं। एक तरफ मामूटी की फिल्म ओम होगी, वहीं दूसरी तरफ दुलकर सलमान की रोमांटिक मूवी आकासम लो ओका तारा। दोनों ही फिल्में टक्कर की लग रही हैं इस वजह से इसे आने वाले समय का एक रोचक बॉक्स ऑफिस क्लैश माना जा रहा है। साथ ही सिनेमा के इतिहास में ये दोनों बाप-बेटे भी बॉक्स ऑफिस पर पहली बार टकरा रहे हैं। अगर दोनों फिल्मों के बीच क्लैश की बात करें तो राजकुमार पेरियासामी की फिल्म ओम पहले 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने वाली थी। लेकिन रजनीकांत की जेलर 2 की रिलीज के चलते ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन किया गया है।

लौटकर आ रहा है सेनापति, कमल की इंडियन 3 का ऐलान

साउथ सिनेमा के वेटरन एक्टर के तौर पर कमल हासन को जाना जाता है। बात की जाए कमल के एक्टिंग कॅरियर की आइकॉनिक मूवीज के बारे में तो उसमें साल 1996 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म इंडियन का नाम शामिल होता है। करीब 28 साल बाद साल इंडियन का सीक्वल रिलीज किया गया। अब मेकर्स की तरफ से कमल हासन स्टारर इंडियन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। साथ ही फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर भी साझा किए गए हैं।

नई दिल्ली। करीब 6 दशकों से बतौर अभिनेता कमल हासन सिनेमा जगत में एक्टिव हैं। वैसे तो उन्होंने कई यादगार फिल्में की हैं, लेकिन इंडियन फिल्म फ्रेंचाइजी सबसे खास मानी जाती है। 90 के दशक में शुरू हुई इस सुपरहिट मूवी फ्रेंचाइजी को अब मेकर्स तीसरी किस्त तक ले जाना चाहते हैं। जिसके आधार पर गुरुवार को कमल हासन की इंडियन 3 की अनाउंसमेंट की गई है। दरअसल, 8 अक्टूबर को इंडियन 3 के प्रोडेक्शन



हाउस लाइका प्रोडक्शंस की तरफ से इस मूवी फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट इंडियन 3 का आधिकारिक ऐलान किया गया है। इंडियन 3 के अलावा कमल हासन का नाम लंबे समय से निर्देशक नाग अश्विन की अपकमिंग मूवी कल्कि 2898 एडी के सीक्वल के लेकर चर्चा में बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अगले साल 2027 में कमल की कल्कि को बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा। इस मूवी में वह यास्किन का नेगेटिव रोल प्ले करते दिखेंगे।

इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होंगी कई बेहतरीन फिल्में और सीरीज

परिणीति उठाएंगी जनता के मुद्दे, महिलाओं की सुरक्षा करेंगी कनी

नई दिल्ली। मौसम बदल रहा है। उत्तर भारत में गर्मी से राहत मिली है। अब रातें ठंडी हो रही हैं। ऐसे में लोग घर से बाहर निकल कर घूमने-फिरने जा रहे हैं। कुछ लोग अच्छा वक्त बिताने के लिए सिनेमा का रुख कर रहे हैं। कई लोग घर पर बैठ कर मौसम का आनंद लेना चाहते हैं। इन लोगों के लिए यह वीकएंड खास होने वाला है, क्योंकि इस वीकएंड ओटीटी पर कई फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं।

रिपोर्टिंग लाइव : अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' इस वीक की ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 09 अक्तूबर को दस्तक देगी। इसमें वे पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी और अवैध रेत खनन का पर्दाफाश करेंगी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। परिणीति के अलावा फिल्म में देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन जैसे सितारे हैं।

आवारापन 2 : इमरान हाशमी अभिनीत फिल्म 'आवारापन 2' ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद इसे ओटीटी पर भी रिलीज किया गया। मगर, अब तक यह सिर्फ रेंट पर उपलब्ध थी। इसे देखने के लिए दर्शकों को जेब ढीली करनी पड़ रही थी। मगर, अब यह मासिक सब्सक्रिप्शन वाले यूजर्स के लिए भी 09 अक्टूबर से उपलब्ध रहेगी। इसे प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है।

आइज: मलयालम वेब सीरीज 'आइज' 9 अक्टूबर को सोनी लिव पर रिलीज होने वाली है। इसकी कहानी पुलिस अफसर टीना सेबेस्टियन (कनी कुसरुति) के आस-पास घूमती है। वह स्टॉकिंग के परेशान करने वाले मामलों की जांच करती हैं। इन मामलों को सुलझाने के लिए वह मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर काम करती हैं, ताकि अपराधियों की सोच को समझ सकें।







मंदादि : यह तमिल भाषा की स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह 10 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। अब यह फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। सूरी और सुहास अभिनीत यह फिल्म 08 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बिलो : *यह कनाडाई थ्रिलर वेब सीरीज है, जो 08 अक्तूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। जोश हार्टनेट, मैकेंजी डेविस और चार्ली हीटन अभिनीत यह सीरीज समुद्र किनारे बसे एक छोटे से शहर की कहानी पर आधारित है। शहर पर अचानक एक रहस्यमयी समुद्री जीव का आतंक शुरू हो जाता है। ऐसे में एक मछुआरा सामने आता है, जो अपने समुदाय और परिवार की सुरक्षा के लिए खतरनाक जीव से दो-दो हाथ करता है।*

टेक चार्ज ऑफ माय हार्ट : *अगर के-ड्रामा सीरीज में आपकी दिलचस्पी है तो यह सीरीज आपके लिए है। इसे 09 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे। इसकी कहानी एक बड़े कारोबारी घराने के वारिस की है, जिसके शरीर में आर्टिफिशियल हार्ट लगा है। उसकी जिंदगी में एक लड़की आती है।*

एनिमल्स : *यह एक अमेरिकी क्राइम थ्रिलर फिल्म है। बेन अफ्लेक निर्देशित 'एनिमल्स' 09 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें अफ्लेक, केरी वाशिंगटन, जिलियन एंडरसन, एड्रियाना पाज और लुइस गेराडों मेंडेज हैं। यह एक राजनीतिक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो एक मेयर पद के उम्मीदवार के इर्द-गिर्द घूमती है।*

खबर संक्षेप

पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में खनक का शानदार प्रदर्शन

घरघोड़ा। पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में डीएवी पब्लिक स्कूल एनटीपीसी तलाईपल्ली के कक्षा सातवीं की छात्रा कुमारी खनक सिदार ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर में द्वितीय स्थान हासिल की। इस उपलब्धि पर डीएवी विद्यालय के प्राचार्य नरोत्तम कुंवर ने इस व्यक्तिगत उपलब्धि के लिए कुमारी खनक सिदार को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार से सम्मानित करते हुए सुबह के प्रार्थना सभागार में अन्य विद्यार्थियों को भी इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने एवं भविष्य में अच्छे प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

13 को अल्पसंख्यक कल्याण समिति की बैठक

रायगढ़। जिला अल्पसंख्यक कल्याण समिति एवं प्रधानमंत्री नवीन 15 सूत्रीय कार्यक्रम की जिला स्तरीय त्रैमासिक बैठक 13 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे आयोजित होगी। बैठक में संबंधित विभागों द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण एवं प्रधानमंत्री नवीन 15 सूत्रीय कार्यक्रम के तहत संचालित योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

गेरवानी में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

रायगढ़। सेक्टर उर्दना अंतर्गत ग्राम गेरवानी के सामुदायिक भवन में आंगन मिलन सेवा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना से लाभान्वित दो हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि योजनाओं से प्राप्त राशि का उपयोग परिवार एवं बच्चों के पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में किया जा रहा है।

आंबा के बच्चों की खुशियों में जुड़ें, खिलौना करें दान

रायगढ़। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए खेल खेल में सीखने का बेहतर वातावरण तैयार करने जिले में खिलौना बैंक की शुरुआत की गई है। 0 से 6 वर्ष की उम्र बच्चों के विकास की महत्वपूर्ण अवस्था होती है। खिलौनों और खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और रचनात्मक विकास को बढ़ावा मिलता है।

सेवा सेतु शिविर में हाथों हाथ मिले प्रमाणपत्र

सारंगढ़। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम दानसरा में आयोजित विकासखंड स्तरीय सेवा सेतु शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और खुशियों की सौगात लेकर आया। शिविर में जातिए आयए निवास एवं विवाह प्रमाणपत्र सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर मिलने से आवेदकों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। आवश्यक दस्तावेज हाथों में आते ही लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य शासन और जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल के प्रति आभार जताया।

तमनार कालेज के स्वयंसेवकों ने किया नुक्कड़

तमनार। शासकीय महाविद्यालय तमनार के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवको द्वारा 8 अक्टूबर को तमनार के बाजारपारा स्थित सहयोग स्कूल के प्रांगण में सेवा संकल्प के तहत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित नुक्कड़ नाटक नमो गाथा की प्रस्तुति दी गई।

मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

युकां का प्रदर्शन, ज्ञानेश का पुतला फूंका, इस्तीफे की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ युवा कांग्रेस ने कुनकुरी में विरोध का बिगुल फूंक दिया। गुरुवार शाम युवा कांग्रेस नेता जयन्त लकड़ा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान इस्तीफे और सजा की मांग उठाई गई। युवा कांग्रेस ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन का सिलसिला थमने वाला नहीं है।

कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकजुटता ये रहे उपस्थित

प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में राघवेन्द्र साय पैंकरा, रोहित किस्पोट्टा, राम कुमार भगत, विक्रांत राजपूत, लिंकन पन्ना, शौरभ ठाकुर, राहुल टोप्पो, मेहुल जैन, अमिस जिंदल और अविनाश एक्का सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



पुतला दहन के जरिए संगठन ने संबंधित मुद्दे पर जताई अपनी नाराजगी

कुनकुरी में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अपना विरोध जताया। पुतला दहन के जरिए संगठन ने संबंधित मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को प्रमुखता से उठाया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जयन्त लकड़ा ने कहा कि युवा कांग्रेस इस मुद्दे पर पीछे हटने वाली नहीं है। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते और उन्हें सजा नहीं मिल जाती, तब तक संगठन लगातार आंदोलन और प्रदर्शन करता रहेगा।

अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने का संदेश

कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के बीच आयोजित पुतला दहन कार्यक्रम में युवा कांग्रेस ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने का संदेश दिया। जयन्त लकड़ा ने दोहराया कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक संगठन विरोध प्रदर्शन करता रहेगा। अब निगाहें आगे की रणनीति पर कुनकुरी में पुतला दहन के बाद युवा कांग्रेस ने आंदोलन जारी रखने की घोषणा की है। इस्तीफे और सजा की मांग को लेकर संगठन आगे क्या कदम उठाता है, इस पर नजर रहेगी।

मांग पूरी होने तक पीछे नहीं हटेंगे

युवा कांग्रेस नेता जयन्त लकड़ा ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और सजा की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन अपनी मांगों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन करेगा। उनके इस बयान के साथ ही युवा कांग्रेस ने संकेत दिया कि कुनकुरी में आयोजित पुतला दहन केवल विरोध दर्ज कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठन इस मुद्दे को लेकर आगे भी अपनी आवाज उठाता रहेगा।



तमनार में सड़क पर उतरा 40 हाथियों का दल, घंटों थमा यातायात

रायगढ़। तमनार वन परिक्षेत्र के सामारुमा क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही के चलते सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया। यहां करीब 40 हाथियों का दल सड़क पर पहुंच गया, जिसके कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

बुधवार की शाम को भी हाथियों का दल जंगल से निकलकर सड़क पार करने पहुंचा। इस दौरान एक हाथी सड़क पर खड़े ट्रेलर के सामने काफी देर तक खड़ा रहा। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि तमनार क्षेत्र में पिछले कुछ समय से हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। बुधवार को सुबह हाथियों का एक बड़ा दल सामारुमा क्षेत्र में सड़क पर पहुंच गया। हाथियों को सड़क पर देखते ही वन विभाग की टीम ने सुरक्षा के मद्देनजर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही रोक दी। सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े रहे और लोग हाथियों के सड़क पार करने का इंतजार करते रहे।

स्टार्टअप शिविर में युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित



हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

शासकीय रामभजन राय एनईएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुरनगर में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत उद्योग-अकादमिक एकीकरण, कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'स्टार्टअप शिविर'का आयोजन किया गया।

- सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के तहत 5 करोड़ की पुरस्कार राशि

शिविर का उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं, नवाचार, उद्यमिता तथा छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा संचालित 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज की जानकारी देकर उन्हें स्वरोजगार और स्टार्टअप स्थापना के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमरेन्द्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता और नवाचार की सोच विकसित करना आवश्यक है। युवाओं को नौकरी प्राप्त करने के साथ-साथ ऐसे नए विचारों और उद्यमों की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए, जिनसे वे स्वयं आत्मनिर्भर बन सकें और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित कर सकें।

उद्योग विभाग के अधिकारियों ने किया मार्गदर्शन

शिविर में जिला उद्योग विभाग के महाप्रबंधक लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता तथा सहायक संचालक मनमोहन राठिया वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।
महाप्रबंधक लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने आसपास की समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देखने और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने की पहल करनी चाहिए। नए विचारों को सही दिशा और मार्गदर्शन मिले, तो वे रोजगार सृजन व क्षेत्र के आर्थिक विकास का माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से सरकारी योजनाओं और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाकर अपने नवाचारी विचारों को धरातल पर उतारने आह्वान किया। इसके पश्चात जिला उद्योग विभाग के सहायक संचालक मनमोहन राठिया ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप की स्थापना, उद्योग पंजीयन, नवाचारी विचारों के चयन, आवेदन प्रक्रिया और योजना के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। श्री राठिया ने बताया कि इस चैलेंज के अंतर्गत कृषि, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, रक्षा, शिक्षा एवं रोजगार, ऊर्जा एवं पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी उभरती तकनीकों से संबंधित कुल 10 सेक्टर निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज और स्थानीय परिवेश की समस्याओं को पहचानकर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करना सफल उद्यमिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस चैलेंज के अंतर्गत कुल 5 करोड़ की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

प्राध्यापकों और विद्यार्थियों की रही सहभागिता

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ लाइजेन मिंज ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न चरणों का सुव्यवस्थित संचालन किया। इस अवसर पर डॉ सरिता निकुंज, प्रो रिजवाना खातून, प्रो आइलिन एक्का, डॉ. हरिकेश कुमार, प्रो गौतम सूर्यवंशी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता, जिला उद्योग विभाग के प्रतिनिधि तथा स्नातकोत्तर के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। स्टार्टअप शिविर विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं से परिचित कराने, नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वरोजगार की संभावनाओं को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन अतिथियों, प्राचार्य, आयोजन समिति और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

सीएम की संवेदनशील पहल, बच्चे के इलाज के लिए 18 लाख स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के 10 वर्षीय ऋतिक यादव के बोन मैरो ट्रांसप्लांट सहित आवश्यक उपचार के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत 18 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत हुई है। गंभीर बीमारी से जूझ रहे ऋतिक के उपचार के लिए मिली स्वीकृति से परिवार को बड़ी राहत मिलेगी। अब कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित अस्पताल में ऋतिक के उपचार का रास्ता आसान होगा।



बगिया पहुंचकर परिजनों ने मांगी थी सहायता

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया जरूरतमंद लोगों की समस्याओं और मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का माध्यम बना है। ऋतिक के परिजनों ने भी यहीं पहुंचकर उपचार के लिए सहायता मांगी थी। सहायता राशि स्वीकृत होने से परिवार को अपने बच्चे के बेहतर उपचार की उम्मीद मिली है। परिजनों ने ऋतिक के इलाज के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बगिया पहुंचकर परिजनों ने मांगी थी मदद, स्वीकृति से इलाज का रास्ता आसान

गंभीर बीमारियों में मददगार विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का उद्देश्य पात्र मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी जरूरतमंद मरीज का इलाज प्रभावित न हो। ऋतिक के उपचार के लिए 18 लाख रुपए की स्वीकृति इसी दिशा में महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जरूरतमंद मरीजों को उपचार के लिए सहायता उपलब्ध कराने से परिवारों को कठिन परिस्थितियों में संबल मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने स्वीकृत की 18 लाख रुपए की राशि

ऋतिक यादव, पिता मेघनाथ यादव जशपुर जिले के निवासी हैं। ऋतिक के उपचार पर होने वाले भारी खर्च को देखते हुए परिजनों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया पहुंचकर आर्थिक सहायता मांगी थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 18 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इस सहायता से परिवार को ऋतिक के महंगे उपचार का खर्च वहन करने में मदद मिलेगी। ऋतिक का उपचार कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित मजूमदार शॉ मेडिकल सेंटर में किया जाएगा। बोन मैरो ट्रांसप्लांट गंभीर बीमारियों के उपचार की एक महत्वपूर्ण और खर्चीली प्रक्रिया है। ऐसे में मुख्यमंत्री की ओर से स्वीकृत आर्थिक सहायता ऋतिक के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रगृह योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

जशपुरनगर। समाज कल्याण विभाग जशपुर की ओर से क्षितिज-अपार संभावनाएं दिव्यांग व्यक्ति अधिनियम, 1995 के तहत दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित, उन्हें संबल प्रदान करने एवं उनके अधिकारो का संरक्षण हेतु 1 या 1 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थियों के समूह को किराये के भवन में निशुल्क आवास सुविधा उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान किया जाना है। योजना से राज्य के दिव्यांग विद्यार्थी समूह देश के अन्य राज्य में भी अध्ययन करने हेतु लाभ ले सकेंगे। योजना की पात्रता एवं शर्तें निम्नानुसार होगीः-दिव्यांगता 40 प्रतिशत या इससे अधिक हो, आवेदक छग राज्य का मूल निवासी हो, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण, आईटीआई/ पॉलिटेक्निक/ स्नातक एवं स्नातकोत्तर में नियमित विद्यार्थी अथवा चिकित्सा/ तकनीकी/ व्यावसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत नियमित विद्यार्थी एवं शिक्षण संस्थान से आवेदक के मूल निवास की दूरी 20 किलोमीटर से अधिक हो। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला जशपुर की ओर से क्षितिज-अपार संभावनाएं अंतर्गत उच्च शिक्षा में अध्ययनरत नियमित दिव्यांगजन छात्रों का ऑफलाइन-ऑनलाइन आवेदन समस्त महाविद्यालय, उच्च शिक्षा संस्थाओ द्वारा आयु, जन्मतिथि, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र आदि का परीक्षण एवं प्रमाणित कर उप संचालक, जिला कार्यालय, समाज कल्याण विभाग, जिला जशपुर को उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया है।

समान नागरिक संहिता को लेकर समूह चर्चा एवं बैठक

विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने साझा किए विचार, सुझावों के आधार पर तैयार किया जाएगा ड्राफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

समान नागरिक संहिता के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों के विचार एवं सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग के प्रतिनिधियों के साथ समूह चर्चा एवं बैठक का आयोजन शुक्रवार को जशपुर स्थित जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। सर्व प्रथम सरगुजा संभाग के आयुक्त नरेन्द्र दुग्गा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। तत्पश्चात उच्च स्तरीय समिति के सचिव एवं रायपुर संभाग के आयुक्त श्री श्याम धावड़े द्वारा समान नागरिक संहिता की उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों का परिचय सभा के समक्ष दिया गया।

बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित एवं गणमान्य नागरिकों तथा निगम, मंडल एवं आयोग के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। समिति के समक्ष विवाह एवं तलाक भरण-पोषण उत्तराधिकार एवं विरासत और लिव-इन संबंध जैसे मुद्दों पर विभिन्न सामाजिक, राजनितिक, धार्मिक संघों के पदाधिकारियों ने खुलकर अपने सुझाव दिए। बैठक में यूसीसी समिति के सदस्य एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्या डॉ ज्योति रानी सिंह, उच्च स्तरीय समिति के सचिव एवं आयुक्त रायपुर संभाग श्याम लाल धावड़े तथा सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, उपस्थित रहे।



ऑनलाइन माध्यम से भी आमंत्रित किए गए सुझाव

समिति द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में व्यापक स्तर पर सुझाव प्राप्त करने के लिए वेबसाइट व ई-मेल की जानकारी भी साझा की गई। नागरिक एवं विभिन्न संगठन समिति की वेबसाइट के माध्यम से भी अपने सुझाव एवं अभिमत प्रस्तुत कर सकते हैं। समिति द्वारा संभाग के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद के माध्यम से समान नागरिक संहिता से संबंधित विचार एवं सुझाव संकलित किए जा रहे हैं। प्राप्त सुझावों को आगामी प्रक्रिया में समुचित रूप से शामिल किए जाने की दिशा में समिति द्वारा कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सर्व आदिवासी समाज,उरांव समाज, कंवर समाज, यादव समाज, साहू समाज, गुप्ता समाज, वनवासी कल्याण आश्रम, रौनियार, समाज, अघरिया समाज,मुस्लिम समाज, जिला अधिवक्ता संघ, व्यापारी संघ, आदि उपस्थित रहे। विधायक जशपुर रायमुनि भगत, पद्मश्री जागेश्वर यादव, राजनीतिक दलों के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि सहित अन्य समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और लिखित एवं मौखिक माध्यम से समान नागरिक सहिंता के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार उपस्थित थे।

विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से लिए गए सुझाव

बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों एवं नागरिकों से यूसीसी के संबंध में उनके विचार, सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए गए। विभिन्न वर्गों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र एवं सामाजिक परिवेश के दृष्टिकोण से विषय से संबंधित सुझाव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए। बैठक का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करते हुए समान नागरिक संहिता से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श करना तथा विभिन्न पक्षों के विचारों एवं सुझावों को समझना रहा। समिति के सदस्यों ने उपस्थित प्रतिनिधियों के विचारों को सुना और सुझावों के संकलन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

सुझावों के आधार पर तैयार होगा ड्राफ्ट

यूसीसी समिति के सदस्यों ने बताया कि, सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों सहित विभिन्न वर्गों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों का अध्ययन किया जाएगा। इन सुझावों एवं अभिमतों के आधार पर समान नागरिक संहिता से संबंधित ड्राफ्ट तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बैठक के दौरान पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समान नागरिक संहिता क्या है, इसके विभिन्न पहलू तथा समिति द्वारा की जा रही प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उपस्थित प्रतिनिधियों को विषय से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही उनके प्रश्नों एवं सुझावों को भी चर्चा में शामिल किया गया।

वाइल्डलाइफ कम्युनिटी के सदस्यों ने दर्ज की पक्षी की उपस्थिति

आठ वर्षों बाद रोजी मिनिवेट का एक बार फिर अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में रोजी मिनिवेट का पुनः अवलोकन किया गया है। वर्ष 2017–18 के बाद अक्टूबर 2026 में इस पक्षी का दर्ज होना जिले की समृद्ध पक्षी जैवविविधता और मौसमी पक्षी प्रवास के अध्ययन की दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि मन जा रहा है।

जशपुर वाइल्डलाइफ के इन सदस्यों ने इस पछी का अवलोकन किया उमेश साहू, अश्विनी चौहान, दलजीत कौर, अन्नू चौधरी, शुभम खुंटे, रोहित कलियारि, फ़ैज़ अहमद और सौरभ सिंह द्वारा किया गया। यह अवलोकन स्थानीय स्तर पर पक्षियों की निगरानी, प्राकृतिक संपदा के दस्तावेजीकरण और नागरिक विज्ञान के क्षेत्र में सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व को रेखांकित करता है।



मौसमी प्रवास के अध्ययन के लिए महत्त्वपूर्ण अभिलेख

जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदमः जशपुर में रोजी मिनिवेट का यह पुनः अभिलेखन जिले की प्राकृतिक संपदा को पहचानने, पक्षी विविधता के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण को मजबूत करने और प्रकृति संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है।

मौसमी प्रवास की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण प्रजाति

रोजी मिनिवेट अपने आकर्षक रंगों और विशिष्ट पहचान के लिए जाना जाता है। यह मुख्यतः हिमालयी क्षेत्रों एवं पूर्वोत्तर भारत के वनों में प्रजनन करता है तथा गैर-प्रजनन काल में भारत के अन्य क्षेत्रों में भी देखा जाता है। अक्टूबर में जशपुर में इसकी उपस्थिति पक्षियों की मौसमी आवाजाही और मध्य भारत के प्राकृतिक आवासों की भूमिका को समझने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। इस प्रकार के अभिलेख वैज्ञानिकों और पक्षी विशेषज्ञों को प्रजातियों के वितरण, मौसमी उपस्थिति और आवास संबंधी आवश्यकताओं के अध्ययन में सहायता करते हैं।

प्राकृतिक संपदा व जैवविविधता के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्र

वनमंडलाधिकारी शशि कुमार ने इस अवसर पर कहा कि जशपुर प्राकृतिक संपदा और जैवविविधता की दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है। रोजी मिनिवेट जैसी पक्षी प्रजातियों का अवलोकन हमारे वन क्षेत्रों की पक्षी विविधता को समझने और उसके वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। स्थानीय पक्षी प्रेमियों और नागरिक विज्ञान से जुड़े समूहों की भागीदारी जैवविविधता के संरक्षण एवं अध्ययन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे अवलोकनों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करना और साझा करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इनके आधार पर पक्षियों की मौसमी गतिविधियों तथा प्राकृतिक आवासों के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त की जा सके।

जशपुर की जैवविविधता और नागरिक विज्ञान

जशपुर के विविध वन, पहाड़ी भूभाग और प्राकृतिक आवास अनेक पक्षी प्रजातियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध कराते हैं। रोजी मिनिवेट का पुनः अवलोकन जिले में पक्षी विविधता के व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और नियमित निगरानी की संभावनाओं को सामने लाता है। जशपुर वाइल्डलाइफ कम्युनिटी के सदस्यों द्वारा किया गया यह अवलोकन दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर प्रकृति के प्रति रुचि और सामुदायिक सहभागिता वैज्ञानिक जानकारी के संकलन में योगदान दे सकती है। तस्वीरों, स्थान और तारीख सहित दर्ज किए गए अवलोकन ई-बर्ड जैसे नागरिक विज्ञान मंचों पर साझा किए जाने से पक्षियों के वितरण और मौसमी गतिविधियों के अध्ययन में उपयोगी हो सकते हैं।

